पेयजल सप्लाई हेतु वर्ष 1993-94 के लिये 47.24 करोड़ रुपये के सामान्य आवंटन के अलावा त्वरित ग्रामीण जल सप्लाई कार्यक्रम के अंतर्गत 29.24 करोड़ रुपये की विशेष सहायता आवंटित की गई है ।

(ख) सामान्य आवंटन के 50% के रूप में 23.62 करोड़ रुपये की रिलीज के अलावा राज्य सरकार को 29.24 करोड़ रुपये की समूची विशेष सहायता पहले ही रिलीज की जा चुकी है ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत श्रमदिवसों का सृजन

4382. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत क्रमशः वर्ष 1989-90 तथा 1990-91 की तुलना में वर्ष 1991-92 के दौरान कम श्रम-दिवसों का सृजन किया गया;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार भविष्य में अधिक श्रमदिवस सृजित करने हेतु क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

ग्रामीण विकास मंत्रालय (ग्रामीण विकास विभाग) में राज्यमंत्री (श्री रामेश्वर ठाकुर) : (क) जी हां । 1989-90 और 1990-91 की तुलना में 1991-92 के दौरान रोजगार सृजन में गिरावट आई है । 1989-90 से 1991-92 के दौरान जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत रोजगार सृजन निम्न प्रकार रहा है :—

वर्ष	रोजगार सृजन (लाख श्रमदिन)
1989-90	864.39
1990-91	874.56
1991-92	808.11

(ख) रोजगार सृजन में गिरावट के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं :—

(1) देश में वित्तीय कठिनाईयों के कारण सभी योजना स्कीमों में कटौतियां की गई थी और परिणामस्वरूप ग्रामीण विकास कार्यक्रमों में भी कटौतियां हुई । जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत लगभग 275 करोड़ रुपए की निधियां कम की गई थी और इसलिए राज्यों को निधियों की रिलीज में आनुपातिक कटौती की गई थी ।

(2) जबकि जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत आवंटन के रूप में कमी हुई है अधिकांश राज्यों में जवाहर रोजगार योजना के अंतर्गत दी जाने वाली न्यूनतम मजदूरी में काफी वृध्दि की गई है । इससे रोजगार सृजन भी प्रभावित हुआ है ।

(ग) भारत सरकार को ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने की आवश्यकता की पूरी जानकारी है । इसलिए चालू वर्ष में योजना के अंतर्गत निधियों में काफी वृध्दि की गई है । तदनुसार वर्ष 1993-94 के लिए जवाहर रोजगार योजना हेतु 3306 करोड़ रुपए की केन्द्रीय सहायता का प्रावधान किया गया है जबकि 1992-93 के दौरान 2517.02 करोड़ रुपए और 1991-92 में 1815.57 करोड़ रुपए रिलीज किए गए थे ।

Extension for Indo-US-vaccine action programme

©4383. SHRIMATI CHANDRIKA ABHINANDAN JAIN: Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether the Indo-US Vaccine Action Programme is being extended; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, DEPARTMENT OF ELECTRONICS AND DEPARTMENT OF OCEAN DEVELOPMENT AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI P. R. KUMARAMANGALAM): (a) and (b) The formal extension of the Indo-US-Vaccine Action Programme (VAP) is under the active consideration of the two Governments. However, in order to continue various activities, and complete the on going projects, the US Public Health Services (US Govt.) and the Department of Biotechnology (Govt. of India) have made budget provisions. The recently concluded meeting of the Joint Working Group has commended the scientists for very good progress made under the identified projects. The bilateral co-operation evolved under VAP has also been considered as a very good model.

Video film produced with the support of Depart- ment of Science and technology

4384. SHRI B. K. HARIPRASAD: Will the PRIME MINISTER be pleased to state :

(a) whether Government are aware of a pioneering work The Killing Fields' produced with the support of Department of Science and Technology some two years back highlighting

©Previously UnStarred Question 2837, transferred from 18-8-1993.